भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3033 जिसका उत्तर

मंगलवार,19 अगस्त, 2025 (28 श्रावण, 1947,(शक)) को दिया जाना है

अंतर्देशीय जल परिवहन क्षेत्र के अंतर्गत अनुसंधान और विकास

3033 श्री एस. निरंजन रेड्डी :

क्या **पत्तन पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने 358वीं संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट 2023 में की गई सिफारिश के अनुसार अंतर्देशीय जल परिवहन क्षेत्र के विकास हेतु अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए कोई कदम उठाए हैं;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या मंत्रालय ने राष्ट्रीय अंतर्देशीय जलमार्गों के पर्यावरणीय प्रभाव आकलन हेतु कोई अनुसंधान एवं विकास अध्ययन किया है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) और (ख): पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई), ने अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) क्षेत्र की सतत वृद्धि हेतु अनुसंधान को बढ़ावा देने और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए वर्ष 2004 को पटना में राष्ट्रीय अंतर्देशीय नौचालन संस्थान (एनआईएनआई) की स्थापना की थी। आईडब्ल्यूएआई ने, मौजूदा अवसंरचना के उन्नयन और नई सुविधाओं को शुरू करने के उद्देश्य से नए निवेश के माध्यम से एनआईएनआई को एक उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के रूप में अपग्रेड करने की परिकल्पना की है। आईडब्ल्यूएआई ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में आईडब्ल्यूटी क्षेत्र की प्रशिक्षण आवश्यकतों को पूरा करने के लिए वर्ष 2024 में गुवाहाटी में समुद्री कौशल विकास केंद्र (एमएसडीसी) की भी स्थापना की है। इसके अतिरिक्त, भारत में आईडब्ल्यूटी क्षेत्र की बढ़ती जरूरतों के अनुरूप एक कुशल कार्यबल के निर्माण में प्रमुख सहायक के रूप में कार्य करने हेतु डिब्रूगढ़, असम में एक क्षेत्रीय उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की परिकल्पना की गई है।

(ग) और (घ): आईडब्ल्यूएआई द्वारा पर्यावरण, वन एवं जलवायु नियंत्रण मंत्रालय (एमओईएफएंडसीसी) द्वारा लागू दिशा- निर्देशों के अनुसार आईडब्ल्यूएआई द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों के लिए पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) और पर्यावरणीय प्रबंधन योजना (ईएमपी) अध्ययन किए जाते है। आईडब्ल्यूएआई द्वारा किए गए ईआईए- ईएमपी अध्ययनों का विवरण **अनुबंध** में संलग्न है।

अनुबंध

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) द्वारा किए गए पर्यावरणीय अध्ययनों की सूची:

पूरे किए गए अध्ययन

1. उद्योगमंडल और चंपकारा नहरों के साथ- साथ कोट्टापुरम से कोल्लम तक रा.ज.-3 का पर्यावरणीय प्रभाव आकलन- पर्यावरण प्रबंधन योजना (ईआईए-ईएमपी) अध्ययन।

2. राष्ट्रीय जलमार्ग के रूप में सुंदरबन में अंतर्राष्ट्रीय स्टीमर मार्ग के लिए पर्यावरणीय प्रभाव आकलन।

3. मैसर्स विल्बर स्मिथ एसोसिएट्स के माध्यम से कोल्लम से कोवलम और कोट्टापुरम से कासरगोड तक राष्ट्रीय जलमार्ग (रा.ज)- 3 के विस्तार के लिए पर्यावरणीय अध्ययन।

4. गोदावरी और कृष्णा नदियों के किनारे काकीनाड़ा-पुदुच्चेरी नहर में नौचालन के विकास के लिए पर्यावरणीय अध्ययन।

5. ब्राह्मणी और महानदी डेल्टा नदियों के साथ पूर्वी तट नहर में नौचालन के विकास के लिए पर्यावरणीय अध्ययन।

6. राष्ट्रीय जलमार्ग-1 (गंगा-भागीरथी-हुगली नदी प्रणाली) पर वाराणसी से हल्दिया (1390 किमी) तक जल मार्ग विकास परियोजना के कार्यान्वयन से पहले, निम्नलिखित अध्ययन पूरे किए गए:

   (क) वाराणसी, साहिबगंज और हल्दिया मल्टीमॉडल टर्मिनलों के लिए ईआईए-ईएमपी रिपोर्ट,

   (ख) वाराणसी, साहिबगंज और हल्दिया मल्टीमॉडल टर्मिनलों के लिए सामाजिक प्रभाव आकलन (एसआईए) और पुनर्वास कार्य योजना (आरएपी) रिपोर्ट,

   (ग) फरक्का में नए नौचालन लॉक के लिए एसआईए और आरएपी तथा ईआईए-ईएमपी रिपोर्ट,

   (घ) वाराणसी के निकट कछुआ अभ्यारण्य के लिए ईआईए रिपोर्ट और

   (ङ) रा.ज.-1 के लिए समेकित ईआईए रिपोर्ट।

*****